हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

14 जलघर में करोड़ों के कार्य में अनियमितताओं के आरोप

14 चाकू के बल पर लूट का प्रयास, पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से दबोचा

खबर संक्षेप

चूरापोस्त तस्करी का भंडाफोड़, आरोपी दबोचा

फतेहाबाद। केलों की खेप की आड़ में चूरा पोस्त की तस्करी कर रहे एक आरोपी को थाना सदर टोहाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 5 किलो 26 ग्राम चूरा पोस्त बरामद कर कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि एसआई दया राम अपनी टीम के साथ भूना-टोहाना मार्ग पर गांव अमानी के पास गश्त पर मौजूद थे। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि जोनी पुत्र हवा सिंह निवासी गांव इन्दाछोई ट्रक में मध्य प्रदेश से केले लेकर पंजाब जा रहा है तथा चूरा पोस्त की तस्करी भी कर रहा है।

हेरोइन सहित युवक काबू, सप्लायर भी पकड़ा

फतेहाबाद। नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से 8.54 ग्राम हेरोइन बरामद की है। मामले की जांच के दौरान मुख्य आरोपी की निशानदेही पर हेरोइन सप्लाई करने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पुलिस चौकी म्योंद पुल प्रभारी करनैल सिंह अपनी टीम के साथ गांव म्योंद कलां क्षेत्र में गश्त एवं नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए मौजूद थे। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

शीतला माता मंदिर में मूर्ति स्थापना दिवस आज

ओढां। ओढ़ा में गौशाला रोड पर शनिदेव व काली माता मंदिर के साथ श्री शीतला माता के मंदिर में 12 जुलाई को तीसरा मूर्ति स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी हरदेव पप्पी वर्मा ने बताया कि सुबह सवा 5 बजे माता रानी के स्वरूप को विधिपूर्वक स्नान करवाकर नए वस्त्र धारण करवाएं जाएंगे और माता रानी का श्रृंगार किया जाएगा। उसके बाद सवा 8 बजे मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ होगा। हवन यज्ञ के बाद महिला मंडल द्वारा संकीर्तन होगा और 11 बजे माता रानी को भोग लगाने के बाद अटूट भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

चांदपुरा में 500 तो गुहला चीका में 18,634 क्यूसिक पानी का बहाव दर्ज

पहाड़ों में बरसात से लगातार बढ़ रहा घग्घर का जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

धान की फसल सूखने के कगार पर, पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

हिमाचल प्रदेश की शिवालिक की पहाड़ियों में हो रही बरसात से घग्घर में जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। शनिवार शाम को गुहला चीका का जलस्तर 18634 क्यूसिक दर्ज किया गया जबकि खनौरी में 550 क्यूसिक व फतेहाबाद जिले के चांदपुरा साइफन में 500 क्यूसिक बहाव दर्ज किया गया। जानकारों का मानना है कि ऐसे ही जलस्तर बढ़ता रहा तो एक बार फिर बाढ़ की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। यह बता देना उचित होगा कि तीन वर्ष पूर्व जुलाई माह में बाढ़ आई थी जोकि इससे पूर्व हर बार सितम्बर माह में ही बाढ़ का पानी यहां आया है। हिमाचल में अगस्त व सितम्बर में तेज बारिश के बाद यहां घग्घर में पानी का जलस्तर बढ़ जाता था। पीछे से पानी बढ़ने के चलते चांदपुरा साइफन हेड पर भी जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। सिंचाई विभाग की शनिवार शाम की रिपोर्ट में गुहला चीका का जलस्तर 18634 क्यूसिक बहाव रहा जबकि फतेहाबाद के चांदपुरा में यह बहाव 500 क्यूसिक दर्ज किया गया है। नदी में बढ़ रहे जलस्तर से घग्घर के तटवर्ती क्षेत्रों में बसे जिले के किसानों के चेहरे खिले नजर आए है, क्योंकि घग्घर नदी के जल से उन्हें खेतों में सिंचाई करने में आसानी होगी। बताया जा रहा है कि पहाड़ों में अभी बारिश जारी है। ऐसे में भविष्य में बहाव लगातार बढ़ सकता है। इसे लेकर भविष्य की स्थिति को मद्देनजर रखते हुए बाढ़ आशंका को भांपते हुए किसान चिंतित भी है। पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश से बरसाती पानी घग्घर नदी के जरिए जाखल क्षेत्र में पहुंचना शुरू हो गया है। नदी की जल क्षमता से फिलहाल जलस्तर अपेक्षाकृत कम है, वहीं अधिकारी जल का उचित प्रबंधन होने की बात भी कह रहे है। इस समय घग्घर में जलस्तर का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि जिले में अभी तक मानसून की एक भी बारिश नहीं हुई। धान की फसल सूखने के कगार पर है। ऐसे में किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता है।

फतेहाबाद। घग्घर नदी में आया पानी। फोटो: हरिभूमि

जरूरी उपकरण कार्यशील स्थिति में रखने के निर्देश

सभी प्रमुख नालों की सफाई करवाई जा चुकी है तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी निगरानी के लिए लगाई गई है। सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, विकास एवं पंचायत तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप सेट, मोटर, पाइप तथा अन्य आवश्यक उपकरण पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखें, ताकि आवश्यकता पड़ते ही बिना किसी विलंब के जल निकासी का कार्य शुरू किया जा सके। -डॉ. विवेक भारती, डीसी फतेहाबाद

तीन वर्ष पूर्व आई बाढ़ के कारण भयभीत है लोग

फतेहाबाद में तीन साल पहले नदी में भारी मात्रा में पानी की आवक हुई थी, जिससे नदी व नदी के सहायक रंगोई नाले के तटबंध टूटने से जाखल के अलावा जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ आ गई थी। उस वक्त सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीणों के हाथ पांव फूल गए थे। बाढ़ के मंजर से किसानों की फसले बर्बाद हो गई थी। इससे ग्रामीणों को बड़ी क्षति झेलनी पड़ी थी। उस समय सभी ने दिन-रात एक कर कई दिनों की कड़ी मशक्कत से बिगड़े हालातों पर काबू पाया था। ऐसे में फिलहाल क्षेत्र से गुजरती घग्गर नदी में जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है, लेकिन तीन साल पहले आई बाढ़ के मंजर को याद कर लोग भयभीत है। ऐसे में खासकर नदी के तट क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा बाढ़ आशंका के मद्देनजर बाढ़ से निपटान हेतु जिला प्रशासन से समुचित व्यवस्थाओं की मांग की गई हैं। जाखल के लोगों द्वारा भी नदी के शहरी भाग को पक्का करने का सुझाव दिया गया हैं।

फिलहाल बाढ़ को लेकर जरा भी चिंता नहीं

सिंचाई विभाग के एसडीओ ने कहा कि अभी जितने पानी की आवक नदी में हो रही है, उससे चिंता की जरा भी बात नहीं है। भविष्य में भी जैसे-जैसे नदी में पानी की आवक होगी, उसे विभिन्न चैनलों के जरिए प्रवाहित किया जाएगा। घग्घर नदी में पानी की आवक होने से धान उत्पादक किसानों को काफी राहत मिलेगी।

पानी देखने पहुंचने लगे लोग

नदी में पानी आने से घग्घर नदी क्षेत्र के धान उत्पादक किसान पंपिंग कर धान की फसल में पानी लगाने लगे हैं। वहीं चांदपुरा साइफन हेड पर लोग नदी में पानी की आवक को देखने पहुंचने लगे हैं।

चांदपुरा में 500 क्यूसिक हुआ डिस्चार्ज

विभाग के अधिकारियों का मानना है कि पहाड़ी क्षेत्र में भारी बरसात होने से जलस्तर में वृद्धि हुई है। चांदपुरा साइफन हेड पर जलस्तर नदी की क्षमता से अपेक्षाकृत कम है। जहां पर नदी में अभी पानी का स्तर शनिवार सुबह 500 क्यूसेक था और शाम को यह 500 क्यूसिक ही रहा।

पूर्व सरपंच हत्याकांड में निलंबित सरपंच गिरफ्तार, जेल भेजा

- रिमांड अवधि खत्म होने पर तीनों आरोपियों को भी अदालत ने जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नेशनल हाइवे स्थित एक ढाबे पर जिले के गांव खाराखेड़ी के पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की गोलियों से भूनकर हत्या करने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने चौथे आरोपी निलंबित सरपंच संजय खिलेरी को भी दबोच लिया है। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ताजा कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार भी बरामद कर ली है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव खाराखेड़ी निवासी संजय कुमार के रूप में हुई है। इस मामले में पहले पकड़े गए तीनों आरोपियों के चार दिन का रिमांड शनिवार को खत्म हुआ। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद तीनों को सिविल अस्पताल ले जाकर मेडिकल करवाया गया। इसके बाद दोबारा से कोर्ट में पेश किया गया, जहां से इन्हें न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि बीते चार जुलाई को नेशनल हाइवे 9 पर गांव खाराखेड़ी के पास स्थित रंगला पंजाब तडक़ा ढाबा के पास पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

फतेहाबाद। पूर्व सरपंच की हत्या मामले में गिरफ्तार चौथा आरोपी।

कार के साथ पकड़ा

थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि पुलिस रिमांड के दौरान मिली कड़ियों के आधार पर मामले के चौथे आरोपी संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जब आरोपी संजय से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त क्रेटा कार को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने संजय को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे हिसार जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी प्रहलाद राय ने साफ किया है कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच बेहद गंभीरता से आगे बढ़ रही है। वारदात में शामिल अन्य सह-आरोपियों और साजिशकर्ताओं को बेनकाब करने के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि फरार चल रहे बाकी आरोपियों को भी जल्द ही सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

श्मशान भूमि के पास खेत में मिला युवक का शव चेहरे पर चोट के निशान मिलने से मौत बनी रहस्य

भूना। गांव खासा पठाना की श्मशान भूमि के समीप खेतों में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बाद में फुलां निवासी सुरजीत सिंह के रूप में हुई। सूचना मिलते ही गांव खासा पठाना के सरपंच एडवोकेट मांगेराम गोदारा व फुलां के सरपंच सुनील कुमार व पूर्व सरपंच जगदीश थालोड़ मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया।

रहनखेड़ी में गरीब महिला के मकान की छत गिरी परिवार बाल-बाल बचा, मुआवजे की लगाई गुहार

भूना। मकान की छत के मलबे के नीचे दबने से नष्ट हुआ घरेलू सामान।

भूना। गांव रहनखेड़ी में एक गरीब परिवार बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। रात के समय अचानक मकान के कमरे की छत भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि उस समय परिवार के सभी सदस्य गर्मी के कारण कमरे के बजाय बरामदे में सो रहे थे। यदि परिवार कमरे के अंदर होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। रहनखेड़ी निवासी बीना देवी पत्नी धर्मेंद्र सिंह ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराने तथा आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि लगातार जर्जर हो चुके मकान में उनका परिवार रहता है। गर्मी अधिक होने के कारण सभी सदस्य कमरे से बाहर बरामदे में सोए हुए थे। रात करीब दो बजे अचानक तेज आवाज के साथ कमरे की छत गिर गई। आवाज सुनकर परिवार के लोग घबरा गए और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।

रोडवेज बस व बाइक की टक्कर में बहू की मौत, सास-ससुर गंभीर रूप से घायल

- किरमारा धाम से दर्शन कर लौट रहा था परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नेशनल हाइवे 9 पर हिसार रोड पर स्थित गांव धांगड़ के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां हरियाणा रोडवेज की बस और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके सास-ससुर गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतका की पहचान गांव भोडियाखेड़ा निवासी कविता के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोडियाखेड़ा निवासी दिलीप कुमार अपनी पत्नी कमला देवी और पुत्रवधू कविता के साथ बाइक पर सवार होकर गांव किरमारा स्थित धार्मिक धाम से दर्शन कर फतेहाबाद की तरफ लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गांव धांगड़ के पुल के पास पहुंची, तभी वे एक तेज रफ्तार रोडवेज बस की चपेट में आ गए।

अस्पताल में उपचाराधीन दिलीप कुमार।

सड़क हादसे में डेढ़ घंटे तक तपड़ता रहा घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

डबवाली-मलोट मार्ग पर हुए एक सडक हादसे के बाद सरकारी आपातकालीन सेवाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हादसे में घायल युवक सर्वजीत सिंह करीब डेढ़ घंटे तक सडक पर तड़पता रहा, लेकिन पुलिस या सरकारी एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। बाद में एक निजी एम्बुलेंस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार पंजाब के मलोट निवासी सर्वजीत सिंह एसी वर्कशॉप चलाता हैं। शुक्रवार की दोपहर गांव सांवतखेड़ा से लौट रहा था। रास्ते में मोबाइल पर कॉल आने पर उन्होंने अपनी बाइक सडक किनारे रोकी। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके से गुजर रहे सोनू मिस्त्री, सरपंच सुभाष, गुरजीत सिंह, अवतार सिंह और डॉ. रिंकू सहित कई लोगों ने घायल की मदद के लिए तत्काल 112, 100 और 102 नंबर पर कई बार कॉल की। हालांकि, उनके आरोप के अनुसार, डेढ़ घंटे तक किसी भी सरकारी एजेंसी से कोई सहायता नहीं मिली। घायल की बिगड़ती हालत को देखते हुए राहगीरों ने भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट की निजी एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और सर्वजीत सिंह को डबवाली के उपमंडल नागरिक अस्पताल ले गई, जहां उनका उपचार शुरू किया गया है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सडक हादसों के दौरान त्वरित सरकारी सहायता व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से इस लापरवाही की जांच करने और आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने की मांग की है।

हरिभूमि एवं जनता TV
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
- Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
- Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
- Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Lyricist of the Year
- Haryanvi Music Composer of the Year
- Haryanvi Master/Mixer of the Year
- Haryanvi Most Melodious Song of the Year
Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at : www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
- केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
- गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
- नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
- अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
- नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
- कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
- सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

प्रश्नपत्र डिजिटल फाइल के रूप में डीईओ को भेजे जाएंगे

सरकारी स्कूलों में 27 जुलाई से शुरू होंगी सेट-1 की परीक्षाएं, 9वीं से 12वीं तक की डेटशीट जारी

- जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल मुखियाओं को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की पहली स्टूडेंट असेसमेंट टेस्ट (सेट-1) की परीक्षाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 1 अगस्त तक चलेंगी और सभी स्कूलों में दो शिफ्टों में आयोजित की जाएंगी। शिक्षा विभाग ने परीक्षा संचालन को लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल मुखियाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं। प्रश्नपत्र डिजिटल फाइल के रूप में पासवर्ड सुरक्षा के साथ जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजे जाएंगे।

11वीं और 12वीं की परीक्षाएं विषयवार होंगी

कक्षा 11वीं की परीक्षाओं में गणित, जीव विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, इतिहास, भौतिक विज्ञान, लेखाशास्त्र, समाजशास्त्र, बिजनेस स्टडीज, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं 27 जुलाई से 1 अगस्त तक अलग-अलग शिफ्टों में होंगी। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए इतिहास, भौतिक विज्ञान, लेखाशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, बिजनेस स्टडीज, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी, गणित, जीव विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, संस्कृत, पंजाबी, शारीरिक शिक्षा, एंटरप्रेन्योरशिप और हिंदी कोर/इलेक्टिव की परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएंगी। शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा कार्यक्रम का सख्ती से पालन किया जाए और निर्धारित समय पर दोनों शिफ्टों में परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाएं।

9वीं और 10वीं की परीक्षाओं का कार्यक्रम

कक्षा 9वीं में 27 जुलाई को गणित, 28 जुलाई को विज्ञान, 29 जुलाई को सामाजिक विज्ञान, 30 जुलाई को संस्कृत, उर्दू, ड्राइंग, पंजाबी, शारीरिक शिक्षा, एनएसक्यूएफ तथा दूसरी शिफ्ट में हिंदी, जबकि 1 अगस्त को अंग्रेजी की परीक्षा होगी। कक्षा 10वीं में 27 जुलाई को अंग्रेजी, 28 जुलाई को पहली शिफ्ट में हिंदी तथा दूसरी शिफ्ट में संस्कृत, उर्दू, ड्राइंग, पंजाबी, शारीरिक शिक्षा और एनएसक्यूएफ, 29 जुलाई को सामाजिक विज्ञान, 30 जुलाई को गणित तथा 1 अगस्त को विज्ञान का पेपर आयोजित किया जाएगा।

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

खबर संक्षेप

किरण बनीं इन्नर व्हील क्लब मेन की प्रधान

सिरसा। इन्नर व्हील क्लब सिरसा मेन की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर सर्वसम्मति से किरण मेंहदीरत्ता को प्रधान, सचिव उषा मेहता, कोषाध्यक्ष मधु अरोड़ा, उपाध्यक्ष राधिका कालरा, आईएसओ वीणा मेहता व संपादक शशि मेहता को नियुक्त किया गया। पीडीसी किरण तनेजा और पीडीसी मधु मेहता ने नई अध्यक्ष किरण मेहंदीरत्ता को कॉलर पहनाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने टीम के सदस्यों को मानवता और सामाजिक कार्यों की सेवा में जुनून और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ज्योति जागृति संस्थान ने सत्संग का किया आयोजन

सिरसा। संत कबीर वाटिका ट्रस्ट के आमंत्रण पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा संत शिरोमणि कबीर साहब की पावन वाणी पर आधारित आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग के दौरान साध्वी चंडा भारती ने संत कबीर साहब का प्रसिद्ध दोहा, कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर। ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर, का भावपूर्ण उच्चारण करते हुए उसके आध्यात्मिक भाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि संत कबीर साहेब जी का यह दोहा संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देता है। इसका तात्पर्य है कि मनुष्य किसी के प्रति बैर, द्वेष, ईर्षा अथवा अन्य मनोविकारों को अपने भीतर स्थान न दे, बल्कि सभी के प्रति समान प्रेम, करुणा और सद्भाव रखते हुए समस्त मानवता के मंगल की कामना करे।

जिला सैन समाज के प्रधान बने अनिल सैन

सिरसा। जिला सैन समाज सिरसा के चुनाव समिति के अध्यक्ष कृष्णलाल टोकसिया एवं राजकुमार रानियां की देखरेख में संपन्न हुए। चुनाव परिणामों में अनिल सैन को जिला सैन समाज सिरसा का प्रधान चुना गया। वहीं बंसी लाल टोकसिया एवं रामअवतार को उपप्रधान, हवा सिंह सरोहा को सचिव तथा वेद जोधका को कोषाध्यक्ष चुना गया। चुनाव के उपरांत नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह चुनाव समिति के अध्यक्ष कृष्णलाल टोकसिया एवं राजकुमार रानियां की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज की एकता, शिक्षा, संगठन एवं विकास के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ ली।

रैली निकालकर आमजन को किया जागरूक

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार नियोजन पखवाड़े का आगाज

सरकारी अस्पतालों में नलबंदी और नसबंदी के ऑपरेशन शिविर लगाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। विश्व जनसंख्या दिवस पर रैली निकालकर आमजन को जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार से पखवाड़ा की शुरूआत हुई। इस पखवाड़े के दौरान सभी सरकारी अस्पतालों में नलबंदी और नसबंदी के ऑपरेशन शिविर लगाकर किए जाएंगे। इस साधन अपनाने वाले दंपति को प्रोत्साहन राशि भी सरकार के द्वारा निर्धारित है। नागरिक अस्पताल वह सभी स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार कल्याण के साधन जैसे कॉपर टी, माला डी, अंतरा इंजेक्शन, छाया इत्यादि कि सुविधा उपलब्ध है। प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके दहिया ने कहा कि यह दिन गरीबी, संसाधनों की कमी और जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्पन्न पर्यावरणीय तनाव जैसे मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। हालांकि, यह बड़ी आबादी के लाभों पर भी प्रकाश डालता है, विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या के विकास और पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डालता है। जनसंख्या बढ़ने से सकारात्मक कम नकारात्मक प्रभाव ज्यादा देखने को मिल रहे हैं, जिसके बारे में लोगों को बताने का प्रयास किया जाता है।

इस दिन लैंगिक समानता, प्रजनन स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के बारे में लोगों को शिक्षित किया जाता है। इस मौके पर राजकीय एएनम प्रशिक्षण स्कूल कि छात्राओं के द्वारा जागरूकता रैली निकली गई इस रैली को डॉ. आरके दहिया प्रधान चिकित्सा अधिकारी सिरसा के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया और इस मोके पर उप सिविल सर्जन डॉ. भारत भूषण मित्तल, किशोरावस्था कॉउंसलर कमल कक्कड़, डीएलएसए से विनोद कुमार, रमेश बिश्नोई पैनल एडवोकेट, पूनम कटारिया पैनल एडवोकेट, नेत्रदान परामर्शदाता राहुल शर्मा मौजूद थे।

सिरसा। विश्व जनसंख्या दिवस पर लोगों को जागरूक करते एडवोकेट रमेश बिश्रोई व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

विश्व जनसंख्या दिवस पर किया जागरूक

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस पर नागरिक अस्पताल के सहयोग से कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। शिविर में एडवोकेट रमेश बिश्नोई और पीएलवी विनोद कुमार ने लोगों को परिवार नियोजन सेवाओं, महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कानूनी संरक्षण और नालसा के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस वर्ष की थीम युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए रखी गई है, जिसके तहत बढ़ती आबादी के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों के सही संतुलन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भूना। पाबूजी मंदिर के सामने बनते ही टूट हुई पुलिया, वार्ड-2 में 15 दिन से धंसी हुई सड़क फोटो : हरिभूमि

पाबूजी मंदिर के सामने पुलिया बनते ही टूट रही, वार्ड-2 में 15 दिन से सड़क धंसी

नागरिक बोले- ठेकेदार व अधिकारियों की सांठगांठ से हो रहा घटिया निर्माण, विजिलेंस व सीएम फ्लाइंग जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

शहर में पाबूजी मंदिर के सामने बन रही सड़क की पुलिया में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि पुलिया निर्माण के तुरंत बाद तीन बार टूट चुकी है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों ने ठेकेदार, नगरपालिका अधिकारियों की सांठगांठ और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी को इसका कारण बताया है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग शहर के व्यस्त मार्गों में शामिल है और यहां से दिनभर भारी व हल्का यातायात गुजरता है। पुलिया के कमजोर होने से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। पूर्व पंचायत सदस्य चिमनलाल फौजी, पुजारी इंद्राज सिंह और विजय कुमार सहित अन्य नागरिकों ने विजिलेंस तथा सीएम फ्लाइंग से मौके का निरीक्षण कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वार्ड-2 में सड़क के बीच बना गहरा गड्ढा

उधर वार्ड नंबर-2 की मुख्य गली में पिछले 15 दिनों से सड़क के बीचो-बीच गहरा गड्ढा बना हुआ है। गड्ढे के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। वार्डवासियों का कहना है कि एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहन भी गली में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।नागरिकों ने सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तुरंत मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते गड्ढा नहीं भरा गया तो दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी।

सचिव बोले- सामग्री की होगी जांच

इस संबंध में नगरपालिका सचिव दीपक कुमार ने बताया कि पालिका अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को मौके पर जाकर ठेकेदार के कार्य की विशेष निगरानी करनी चाहिए। हालांकि अभियंता के पास अतिरिक्त कार्यभार है। उन्होंने कहा कि दोनों स्थानों पर इस्तेमाल की गई निर्माण सामग्री की जांच कराई जाएगी और यदि गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित ठेकेदार व जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हर्बल पार्क में लगाए औषधीय पौधे

- सिटी वेलफेयर क्लब ने पर्यावरण पखवाड़ा में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। योग दिव्य मंदिर में औषधीय पौधे लगाते क्लब सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को योग दिव्य मंदिर स्थित हर्बल पार्क में विभिन्न औषधीय एवं हर्बल पौधों का रोपण किया गया। क्लब द्वारा शहर के विभिन्न पार्कों, डिवाइडरों एवं हर्बल पार्कों में आवश्यकता के अनुसार पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ योगाचार्य करमचंद सरदाना, डॉ. महेंद्र मेहता, विनोद अरोड़ा, धर्मपाल चावला तथा सुभाष चंदौरा ने संयुक्त रूप से कड़ी पत्ता का पौधा लगाकर किया। इस अवसर पर सहजन, गुड़हल, गुलाब, छुईमुई, कड़ी पत्ता, गुड़मार सहित अनेक औषधीय पौधे हर्बल पार्क में लगाए गए। संस्था ने बताया कि इससे पूर्व भी पार्क में निर्गुंडी, अमलतास, अर्जुन, सुदर्शन, नागदौन, मरुआ, स्नेक प्लांट, लेमनग्रास और सदाबहार सहित अनेक औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं, जिनका लाभ विभिन्न रोगों के प्रति जागरूकता और प्राकृतिक उपचार की जानकारी के लिए लोग उठा रहे हैं। संस्था अध्यक्ष विनोद अरोड़ा ने कहा कि योग दिव्य मंदिर का हर्बल पार्क लोगों के स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है तथा यहां लगाए गए औषधीय पौधे समाज की सेवा में उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

खैरातीखेड़ा, कुकड़ांवाली और दरियापुर में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

- विद्यार्थियों एवं राहगीरों को दीं महत्वपूर्ण जानकारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। लोगों को जागरूक करते पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

आमजन को साइबर अपराधों से बचाव एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने गांव खैराती खेड़ा, गांव कुकड़ावाली की लाइब्रेरी तथा दरियापुर बस स्टैंड पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं राहगीरों को महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम के दौरान थाना यातायात के मुख्य सिपाही राजेन्द्र कुमार ने उपस्थित लोगों को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध होने की स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करवाएं तथा पोर्टल पर भी शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि वापस मिलने की संभावना अधिक रहती है। इस दौरान पुलिस टीम ने नागरिकों को डायल-112 आपातकालीन सेवा एवं राहवीर योजना के बारे में भी जानकारी दी।

लर्निंग आउटकम्स एवं पेडागॉजी विषय पर इन-हाउस शिक्षक प्रशिक्षण

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल दरियापुर में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेते टीचर्स।

फतेहाबाद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दरियापुर में विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए लर्निंग आउटकम्स एवं पेडागॉजी विषय पर एक दिवसीय इन-हाउस टीचर ट्रेनिंग का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का संचालन गुरप्रीत सिंह, वाइस प्रिंसिपल, शाह सतनाम जी बॉयज स्कूल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को लर्निंग आउटकम्स, प्रभावी पेडागॉजी, कौशल-आधारित शिक्षण, गतिविधि-आधारित अधिगम तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने वाली आधुनिक शिक्षण तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा कोचर ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की शिक्षण दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बाबा राणाधीर मंदिर में 16 जुलाई को लगेगा अर्धवार्षिक मेला

बाबा राणाधीर महाराज

भूना। बाबा राणाधीर मंदिर परिसर में 16 जुलाई, वीरवार को अर्धवार्षिक मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और सुविधाओं के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। बाबा राणाधीर जी सेवा समिति के सचिव अनील सोनी ने बताया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मंदिर परिसर को आधुनिक डिजिटल लाइटों से आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा, जिससे पूरे परिसर की भव्यता और बढ़ेगी। श्रद्धालुओं के लिए पूरे दिन निशुल्क लंगर की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने बताया कि मेले में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए मंदिर परिसर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जेबकतरों और असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। इसके अलावा वालंटियरों की टीम पूरे समय सक्रिय रहकर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी। थाना भूना के प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र ने बताया कि मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था में महिला पुलिसकर्मियों के साथ-साथ सिविल वर्दी में जवान भी तैनात किए जाएंगे, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

रेलवे पेंशनरों के पास ऑनलाइन करने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सिरसा। पेंशनर एसोशिएशन सिरसा शाखा स्टेशन मैनेजर को ज्ञापन सौंपते हुए।

सिरसा। पेंशनर एसोशिएशन सिरसा शाखा की मासिक मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में रेलवे पेंशनरों के पास ऑनलाईन करने के विरोध में रोष प्रकट किया गया और इसके बाद सभी ने स्टेशन मैनेजर सिरसा को रेलमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि इस फैसले से सेवानिवृत कर्मचारियों में काफी रोष है, क्योंकि रेलवे बोर्ड द्वारा अपने पत्रांक 29 मई द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों एवं परिवार पेंशनरों को मिलने वाले पोस्ट रिटायरमेन्ट का पलिमेंटरी पास को ऑन लाइन कर दिया गया है। जिससे सेवानिवृत कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनरों को बेहद परेशानी हो रही है। क्योंकि बड़ी संख्या में उन्हें एंड्रायड फोन उपयोग करना नहीं आता है। इसके बावजूद रेलवे की ओर से ये नियम जारी कर दिए गए। पूर्व में भी रेलवे बोर्ड द्वारा इस प्रकार के नियम जारी किए थे, मगर पेंशनरों के विरोध के बाद उन्हें वापिस ले लिया गया था।

सीडीएलयू में एलएलएम दाखिला प्रक्रिया शुरू, विद्यार्थियों में खुशी

सिरसा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मांग पर चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रशासन ने एलएलएम पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने का शेड्यूल जारी कर दिया है। परिषद ने इसे छात्र हित की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति का आभार जताया है। प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने पर विद्यार्थियों ने खुशी जाहिर की है। एबीवीपी के जिला संयोजक मोहित बिश्नोई ने बताया कि बीते दिनों परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. विजय कुमार को पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था। इसमें प्रमुख रूप से एलएलएम पाठ्यक्रम को बंद नहीं करने तथा शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की मांग शामिल थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिषद की मांग पर अमल करते हुए एलएलएम पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। मोहित बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्र हितों की आवाज बुलंद करती रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभी एक मांग पूरी की है जबकि अन्य चार मांगों का समाधान अभी शेष है। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया है कि विद्यार्थियों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए शेष मांगों पर भी शीघ्र निर्णय लिया जाए।

स्थापना दिवस पर भारत विकास परिषद ने की गोसेवा

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया ने 63वें स्थापना दिवस एवं सेवा पखवाड़े के समापन पर केशव गौशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित कर गोमाता को हरा चारा खिलाया। इस दौरान पदाधिकारियों ने गोशाला की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

गतिविधि संयोजक एडवोकेट नरेंद्र मलिक ने कहा कि परिषद के संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण मंत्र के अनुरूप सेवा पखवाड़े में स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता, स्टेशनरी वितरण, पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा सहित अनेक जनहित कार्य किए गए। शाखा अध्यक्ष राज कुमार सिंगला ने कहा कि परिषद भविष्य में भी समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी। गतिविधि संयोजक सेवा जनक राज गोयल ने कहा कि सेवा पखवाड़े का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है और शाखा आगे भी इसी समर्पण के साथ जनहित के कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर डॉ. नरेश गोयल, पूर्व अध्यक्ष विनोद जैन, डॉ. चरणजीत मलिक, धर्मवीर ललित, राज कुमार मोंगा, सोहन लाल तनेजा, विपिन गोयल, अवतार ढींगरा, रामकुमार सचदेवा तथा केशव गौशाला समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने माय भारत का लर्निंग प्रोग्राम किया आयोजित

युवाओं ने सीखे कृषि और किसान कल्याण के गुर

- कृषि विभाग की अन्य डिजिटल व जमीनी सेवाओं की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम में भाग लेते युवा।

फोटो : हरिभूमि

माय भारत पोर्टल के माध्यम से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कृषि क्षेत्र की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से जोड़ना और सरकार की विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी युवाओं को किसान पंजीकरण प्रक्रिया, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फसल अवशेष प्रबंधन (पराली प्रबंधन) तथा कृषि विभाग की अन्य डिजिटल व जमीनी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही, युवाओं को सीधे किसानों के साथ संवाद करने का अवसर भी मिला, जिससे वे किसानों की जमीनी समस्याओं को समझ सके और उनके समाधान की प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव ले पाए। कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रैक्टिकल स्किल्स विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का हिस्सा बने युवाओं ने इसे बेहद उपयोगी बताया। उनका कहना था कि इस ट्रेनिंग से उन्हें कृषि क्षेत्र की बारीकियों और सरकारी योजनाओं को करीब से समझने का एक बेहतरीन अवसर मिला है। माय भारत द्वारा आयोजित यह अभियान युवाओं को समाज और प्रशासन से जोड़ने के साथ-साथ उनके समग्र कौशल विकास और भविष्य के करियर के लिए व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने में काफी सहायक सिद्ध हो रहा है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन में सुशील बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

रतिया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, फतेहाबाद इकाई के संगठन विस्तार के तहत सुशील गोयल ने जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मनोज गोयल ने जिला उपाध्यक्ष के पद का कार्यभार संभाल लिया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने जिला अध्यक्ष राजेश गर्ग और जिला महामंत्री मुकेश बंसल का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है तथा समाजहित में अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। सुशील गोयल और मनोज गोयल ने कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, अग्रवाल समाज को संगठित करने तथा सामाजिक गतिविधियों को और अधिक गति देने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

खबर संक्षेप

खेत में काम कर रहे किसान पर हमला

ओढां। खेत में काम कर रहे एक किसान पर लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से हमला करने के आरोप में पुलिस ने ओढ़ा निवासी प्रवीण कुमार, धुरव उर्फ गोलू, मांगेराम तथा दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को दिए गए ब्यान में ओढां निवासी पुरुषोत्तम ने बताया कि वह अपने खेत में स्प्रे कर रहा था। उसी समय प्रवीण व ध्रुव तथा दो अन्य लोग कार में सवार होकर आए। उनके पास लाठी, डंडा व लोहे की राड थी। उक्त लोगों ने आते ही उसे पर हमला बोल दिया। घायल पुरुषोत्तम को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

सिरसा। बरूवाली प्रथम ग्राम पंचायत की ओर से पहली एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सरपंच सीता कुमारी ने खिलाड़ियों, युवाओं और उपस्थित ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा खेलों को अपनाने की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में 6 से 16 वर्ष तक के लडक़े और लड़कियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में अपने हुनर, गति और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ओवरऑल खिताब बरूवाली प्रथम के खिलाड़ियों ने अपने नाम किया। इस अवसर पर सरपंच राजेश कंबोज ने युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

अस्पताल में भर्ती मरीज के साथ साइबर ठगी

फतेहाबाद। साइबर ठगों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब वे अस्पताल के बेड पर इलाज करवा रहे लाचार मरीजों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। फतेहाबाद के रतिया चुंगी निवासी एक बुजुर्ग जब लुधियाना के अस्पताल में अपने पैर का ऑपरेशन करवा रहे थे, ठीक उसी दौरान शातिर अपराधियों ने उनके बैंक खाते में सेंध लगाकर 1 लाख 28 हजार रुपये साफ कर दिए। चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित के पास न तो कोई ओटीपी आया और न ही उन्होंने किसी लिंक पर क्लिक किया था। साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात ठग के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डोडा पोस्त सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद की एंटी नारकोटिक्स सेल और सदर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को 15 किलो 155 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी पंजाब से मोटरसाइकिल पर नशीले पदार्थ की खेप लेकर हरियाणा आ रहे थे।जानकारी के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल के एएसआई प्रेम कुमार अपनी टीम के साथ गांव हांसपुर बस अड्डे के पास नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर गश्त पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव मड़ निवासी सुखचैन सिंह तथा पंजाब के मानसा जिले के गांव गंडू खुर्द निवासी हरविंद्र सिंह उर्फ काकू मोटरसाइकिल पर डोडा पोस्त लेकर सरदूलगढ़ की तरफ से आने वाले हैं। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज किया है।

ग्रामीणों की सीएम विंडो पर शिकायत, जांच की मांग

नाथूसरी कला जलघर के निर्माण में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

सरपंच ने ठेकेदार और एसडीओ पर लगाए मिलीभगत के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

चोपटा। लीकेज वाल से जमा हुआ पानी। फोटो : हरिभूमि

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कथित भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद कई गांवों में पेयजल व्यवस्था बदहाल बनी हुई है। ताजा मामला नाथूसरी कला गांव के जलघर से जुड़ा है, जहां निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

काम अधूरा छोड़ा

ग्रामीण बलराम कासनिया ने मुख्यमंत्री विंडो पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया है कि गांव के जलघर के निर्माण एवं पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये का बजट स्वीकृत किया था। आरोप है कि संबंधित ठेकेदार और विभागीय एसडीओ की मिलीभगत से निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया गया और कार्य को अधूरा छोड़ दिया गया।

शिकायत के अनुसार, गांव में बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण जगह-जगह पाइपलाइन में लीकेज हो रही है। इससे न केवल सरकारी धन की बर्बादी हो रही है बल्कि ग्रामीणों को भी नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद आज भी गांव में पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाती और गुणवत्ता की निगरानी होती तो सरकारी धन का दुरुपयोग नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराकर दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में भी गुणवत्ता से समझौता होता रहा तो आम जनता का विश्वास कमजोर होगा। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मुख्यमंत्री विंडो पर की गई शिकायत के बाद प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है। विभागीय अधिकारियों से इस मामले में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया।

शिक्षकों ने बच्चों को संरक्षण का महत्व बताया

क्रेसंट स्कूल में विश्व पेपर बैग दिवस पर गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बच्चों ने 'प्लास्टिक हटाओ, पेपर बैग अपनाओ' का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल में विश्व पेपर बैग दिवस के अवसर पर कक्षा 9वीं द्वारा प्रेरणादायी एवं जागरूकता से परिपूर्ण विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली एवं पेपर बैग के उपयोग के प्रति जागरूकता विकसित करना था। पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों का उत्साह, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। छात्रा मान्या के कुशल मचं संचालन में कनक ने 'प्लास्टिक हटाओ, पेपर बैग अपनाओ' प्रेरणादायक सुविचार प्रस्तुत किया। छात्रा कुमुद ने विश्व पेपर बैग दिवस के महत्व पर भाषण देकर प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों एवं पेपर बैग अपनाने की आवश्यकता के बारे में बताया। दीपांशी की भावपूर्ण कविता 'कागज- जूट को अपनाओ, प्लास्टिक को दूर भगाओ' ने सभी को प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का एहसास कराया। यशवी, भव्या, परिधि, संगम, राघव एवं दक्ष द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका ने पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देकर सभी का मन मोह लिया।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

विजेताओं को सम्मानित किया

इस अवसर पर आयोजित पेपर बैग निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कलात्मक सोच एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का उत्कृष्ट परिचय दिया। निर्णायकों द्वारा रचनात्मकता, उपयोगिता, प्रस्तुति एवं स्वच्छता के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन किया गया। विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या रितु सिंधु ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती हमें विरासत में नहीं मिली, बल्कि आने वाली पीढ़ियों से उधार मिली है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि हम आज से ही प्लास्टिक के स्थान पर पेपर बैग का उपयोग करने का संकल्प लें, तो हम प्रकृति को सुरक्षित एवं भविष्य को समृद्ध बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में कक्षा नवमी के विद्यार्थियों ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से 'से नो टू प्लास्टिक, से येस टू पेपर बैग का संकल्प करवाया।

देश की शिक्षा व्यवस्था की खुली पोल: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमार सैलजा ने कहा कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की यूडीआईएसई रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्वयं केंद्र सरकार के आंकड़े यह स्वीकार कर रहे हैं कि हरियाणा में शिक्षा व्यवस्था का ढांचा लगातार कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर नई-नई घोषणाएं कर रही है, जबकि दूसरी ओर सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। सैलजा ने कहा कि यदि केंद्र सरकार की रिपोर्ट में सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों, आधारभूत सुविधाओं की कमी तथा शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, तो हरियाणा सरकार को यह बताना चाहिए कि पिछले लगभग 12 वर्षों में शिक्षा सुधार के दावे आखिर जमीन पर क्यों नहीं उतर पाए। क्या केवल घोषणाओं और विज्ञापनों से शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो जाएगी? सांसद ने कहा कि प्रदेश में हजारों शिक्षकों के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। अनेक विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षक नहीं हैं और भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं।

तरकांवाली की बेटी रविना बैनीवाल सीडीएलयू में टॉपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶|चोपटा

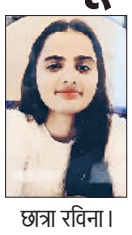

छात्रा रविना।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर सरकारी विद्यालय में पढ़ाई करने वाली छात्रा रविना बैनीवाल ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिस पर पूरा क्षेत्र गर्व महसूस कर रहा है। गांव तरकांवाली निवासी रविना बैनीवाल ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में बीएससी (फिजिक्स ऑनर्स) में 9.21 एसजीपीए प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। रविना की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि विद्यालय, गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। विद्यालय प्रभारी प्रिंसिपल सरिता चौधरी ने बताया कि रविना बैनीवाल राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नाथूसरी कलां की साइंस स्ट्रीम के प्रथम बैच की छात्रा रही हैं। विद्यालय में विज्ञान संकाय की शुरुआत के बाद प्रथम बैच की छात्रा द्वारा सीधे विश्वविद्यालय स्तर पर टॉप करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। रविना ने अपनी सफलता से यह साबित कर दिया है कि यदि विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन, बेहतर शिक्षा वातावरण के कारण सफलता मिली।

चौटाला नागरिक अस्पताल में लोगों को नशे के प्रति किया जागरूक

- डॉक्टरों ने ड्रग पीड़ित मरीजों का उपचार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

चौटाला के सरकारी में नशामुक्ति जागरूकता एवं उपचार शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में नशे से संबंधित समस्याओं से पीड़ित मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण एवं उपचार डॉ. हरसिमरन सिंह चिकित्सा अधिकारी उप मंडल नागरिक अस्पताल डबवाली के द्वारा किया गया। सभी मरीजों की काऊंसलिंग परामर्शदाता कंवर सेन द्वारा की गई। सभी मरीजों की आवश्यक रक्त जांच करवाई गई तथा चिकित्सकों द्वारा प्रत्येक मरीज को 7 दिनों की निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई। साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों को नशे के दुष्प्रभावों, उपचार की आवश्यकता तथा नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए विस्तृत परामर्श एवं जागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशे की लत एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन इससे बाहर निकला जा सकता है।

डबवाली। शिविर में लोगों को जागरूक करते हुए चिकित्सक।

भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रही कांग्रेस : अभय चौटाला

सिरसा। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि कांग्रेस के नौ विधायकों ने राज्यसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर यह प्रमाणित कर दिया है कि कांग्रेस ही सही मायने में भाजपा की बी टीम के रूप में हरियाणा में कार्य कर रही है। अभय चौटाला शनिवार को सिरसा के ऐलनाबाद हलके में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में भाजपा के हाथों कांग्रेस को गिरवी रखकर तीसरी बार सरकार बनाने में मदद की है। अभय ने कहा कि इनेलो ने अपने शासन में सही मायने में किसानों, गरीबों, व्यापारियों, महिला सुरक्षा आदि का प्रबंध कर सभी वर्गों के हितों का ख्याल रखा था। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने ही ऐलनाबाद में घग्घर से नहरें निकलवाकर उनके खेत खलिहानों को सिंचित करवाया।

सिरसा। ग्रामीणों को संबोधित करते इनेलो नेता अभय चौटाला।

150 साल पुराने भोमिया मंदिर में भंडारा लगाकर सुख-समृद्धि की कामना

- मोचीवाली के मंदिर में श्रद्धालुओं ने माथा टेका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डिंग

डिंग। मंदिर में प्रसाद तैयार करते ग्रामीण।

गांव मोचीवाली के जोहड़ स्थित प्राचीन भोमिया मंदिर में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से 50वें वार्षिक गुलगुले के भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें ग्रामीणों ने गांव की सुख-समृद्धि, अमन-शांति और खुशहाली की कामना की। हवन के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए गुलगुले के भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों ने बताया कि यह भोमिया मंदिर करीब 150 वर्ष पुराना है, जिसका निर्माण गांव के पूर्वजों ने कराया था। पिछले 50 वर्षों से यहां लगातार वार्षिक गुलगुले का भंडारा आयोजित किया जा रहा है। इस परंपरा का उद्देश्य गांव में भाईचारा, शांति और समृद्धि बनाए रखना है। आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढक़र सहयोग किया।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर व्यापारी से 4.27 लाख रुपये की ठगी

फतेहाबाद। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती और रातों-रात अमीर बनने का लालच किस कदर भारी पड़ सकता है, इसका ताजा मामला भूना में सामने आया है। यहां न्यू बस स्टैंड के पास लक्ष्मी टेंट हाउस चलाने वाले एक व्यापारी को शातिर साइबर ठगों ने अपनी जाल में फंसाकर 4 लाख 27 हजार रुपये का चूना लगा दिया। ठगों ने पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती की, फिर मुनाफे का झांसा देकर पीड़ित से किस्तों में कुल 5 लाख 52 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में भूना निवासी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि 1 जून को उनकी इंस्टाग्राम आईडी पर दोस्ती का मैसेज आया था।

चाकू के बल पर कार चालक से लूट का प्रयास, पुलिस ने घेराबंदी कर एक को पकड़ा

- पुलिस को देख दो आरोपी फरार हुए, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शहर में फतेहाबाद रोड पर ट्रक यूनियन के पास शुक्रवार देर रात उस समय हडक़ंप मच गया, जब मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने चाकू के बल पर एक कार चालक से लूटपाट की कोशिश की। हालांकि, बदमाशों के मंसूबे तब धरे के धरे रह गए जब पीड़ित की सूचना पर डायल-112 और थाना शहर रतिया पुलिस की टीमों ने चंद मिनटों में मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी। पुलिस ने एक मुख्य आरोपी को वारदात स्थल से ही दबोच लिया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम स्थित हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम में क्लर्क के पद पर तैनात औमपाल रतिया की अरोड़ा कालोनी में रहता है। 10 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे अपनी कार से वापस रतिया लौट रहा था। जैसे ही वह फतेहाबाद रोड पर ट्रक यूनियन के पास आइसक्रीम लेने के लिए रुका और आगे बढ़ा, तभी बाइक सवार तीन युवकों ने उसकी कार के आगे अपनी मोटरसाइकिल अड़ा दी। कार रुकते ही एक युवक ने तेजधार चाकू निकालकर औमपाल पर हमला करने का प्रयास किया, जबकि दूसरे ने मारपीट शुरू कर दी और नकदी लूटने की कोशिश करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

रतिया। पुलिस गिरफ्त में लूट के प्रयास मामले में गिरफ्तार युवक।

हरियाणा में बाढ़ प्रबंध मजबूत करे सरकार: केहरवाला

सिरसा। कालांवाली से कांग्रेस विधायक शीशपाल केहरवाला ने प्रदेश सरकार से राज्य में बाढ़ प्रबंधों को मजबूत करने व मानसून के दौरान नदियों के जल वितरण की उचित व्यवस्था करने की मांग की है। केहरवाला ने जारी बयान में कहा कि मानसून के हरियाणा में प्रवेश के साथ ही प्रदेश की बरसाती नदियों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। अंबाला में टांगरी ने तांडव मचाया है वहीं घग्घर में भी पानी बढ़ रहा है। बेशक अभी घग्घर के पानी से खेतों को सिंचाई के लिए मदद मिलेगी लेकिन अगर हालात बिगड़े तो उनसे निपटने के लिए भी सरकार को तैयार रहना चाहिए। विधायक ने कहा कि उन्होंने इस मसले को लेकर विधानसभा में भी प्रश्न उठाए थे। सिरसा जिले में घग्घर हर बार तबाही मचाती रही है। बाढ़ के हालात में नदी के तटों पर बसे गांवों के लोगों को हर बार भारी परेशानी झेलनी पड़ती है लेकिन बरसात का सीजन बीतते ही इसे भुला दिया जाता है। केहरवाला ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। ऐसे में किसानों की चिंता से हर कोई वाकिफ रहता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समय की आवश्यकता : उप्पल

विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल के व्यावहारिक पक्ष की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आमजन को आधुनिक तकनीकी कौशल से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एआई के साथ एक्सेल विषय पर 10 दिवसीय मूल्य वर्धित/कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. वीरबाला शर्मा ने बताया कि बीती 25 जून से 10 जुलाई तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल के व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशलों से दक्ष बनाना रहा।

सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

डिजिटल कौशल का महत्व बढ़ रहा

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएमके कॉलेज के विद्यार्थियों व शिक्षकों के अलावा सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पुणे, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के विद्यार्थी एवं प्रतिभागी शामिल रहे। डॉ. वीरबाला ने कहा कि हिसार से विशेषज्ञ प्रशिक्षक पारस शर्मा ने प्रतिभागियों को एक्सेल के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर उन्नत स्तर तक का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। साथ ही प्रतिभागियों को वास्तविक डेटा पर आधारित परियोजनाओं के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। इस वर्कशॉप के समापन पर प्राचार्या अंशु उप्पल ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल कौशल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी एवं शिक्षक के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है। ऐसे कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता, कार्यकुशलता एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों की सहभागिता ने इस कार्यक्रम को बहु-संस्थागत एवं ज्ञानवर्धक स्वरूप प्रदान किया है। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या ने कोर्स के सफल समापन पर समन्वयक डॉ. वीरबाला शर्मा, विशेषज्ञ प्रशिक्षक पारस शर्मा तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

एटीएम के बाहर लोगों को ठगने वाला काबू

फतेहाबाद। गुरुनानकपुरा पुलिस चौकी ने एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी भोले-भाले लोगों को बैंक खाता बंद होने का झांसा देकर उनसे नकदी ऐंठता था और बदले में फर्जी फोनपे रसीद दिखाकर फरार हो जाता था। गुरुनानकपुरा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि इस बारे गांव अयालकी निवासी मोनू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, 10 जून को वह रतिया चुंगी स्थित एसबीआई एटीएम से नकदी निकालने गया था। वहां मौजूद एक अज्ञात युवक ने मोनू को अपनी बातों में फंसाया और कहा कि उसका बैंक खाता फिलहाल चालू नहीं है, लेकिन उसे तत्काल नकदी की आवश्यकता है। उसने मोनू से दो हजार कैश दिलवाने का आग्रह किया और कहा कि वह यह राशि तुरंत उसके खाते में फोनपे के माध्यम से ट्रांसफर कर रहा है।